कल्याणकारी राज्य से नवउदारवाद तक: यूरोप की आर्थिक रूपांतरण यात्रा (1945–2000)
From Welfare State to Neoliberalism: Economic Transformation of Europe (1945–2000)
द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पश्चिमी यूरोप में कल्याणकारी राज्य की अवधारणा विकसित हुई। इसका उद्देश्य सामाजिक सुरक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा की गारंटी देना था। कीन्सियन अर्थशास्त्र इसके पीछे का वैचारिक आधार था।
ब्रिटेन, फ्रांस और पश्चिम जर्मनी ने राज्य के हस्तक्षेप द्वारा आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय स्थापित करने का प्रयास किया। 1950 और 1960 के दशक को यूरोप में “स्वर्ण युग” कहा जाता है।
किन्तु 1973 के तेल संकट और स्टैगफ्लेशन ने इस मॉडल को चुनौती दी। 1980 के दशक में नवउदारवादी नीतियाँ अपनाई गईं, जिनमें निजीकरण, विनियमन में कमी और बाजार को प्राथमिकता दी गई।
मार्गरेट थैचर और रोनाल्ड रीगन इस परिवर्तन के प्रमुख प्रतीक बने। 1990 के बाद वैश्वीकरण और मुक्त बाजार अर्थव्यवस्था का विस्तार हुआ।
आलोचनात्मक दृष्टिकोण के अनुसार नवउदारवाद ने असमानता बढ़ाई और सामाजिक सुरक्षा को कमजोर किया। फिर भी इसने वैश्विक आर्थिक एकीकरण को गति दी।